ClassRoom Notes

1) उत्पत्ति के आधार पर = 02

<i> ह्रस्व / लघु स्वर ⇒ 04 [अ, इ, उ, ऋ]

<ii> दीर्घ / गुरु स्वर = 07 [आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ]

स्वर = 11

② मात्राकाल के आधार पर = 03

(i) **ह्रस्व/लघु स्वर** ⇒ वे स्वर जिनके उच्चारण में एक मात्रा का समय लगता है -

जैसे :- अ, इ, उ, ऋ

(ii) **दीर्घ/गुरु स्वर** ⇒ वे स्वर जिनके उच्चारण में दो मात्रा का समय लगता है -

जैसे :- आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ

(iii) **प्लुत स्वर** ⇒ वे स्वर जिनके उच्चारण में दो मात्रा से भी अधिक समय लगता है -

जैसे :- अ३

[प्लुत स्वर का चिह्न/पहचान = '३']

'ओ३म'

③ जिह्वा की स्थिति के आधार पर : 03

Imp

ऊ
पश्च — अग्र — मध्य

<i> अग्र स्वर :- वे स्वर जिनके उच्चारण में जिह्वा के आगे का भाग सक्रिय रहता है-

जैसे :- इ, ई, ऋ, ए, ऐ

<ii> मध्य स्वर :- वह स्वर जिसके उच्चारण में जिह्वा का मध्य भाग सक्रिय रहता है-

जैसे :- अ

<iii> पश्च स्वर :- वे स्वर जिनके उच्चारण में जिह्वा के पीछे का भाग सक्रिय रहता है-

जैसे :- आ, उ, ऊ, ओ, औ
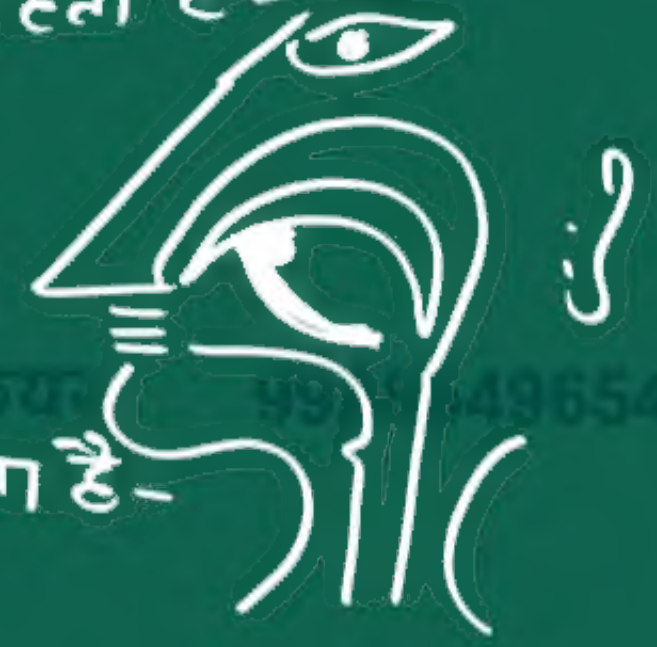
<i> संवृत स्वर :- वे स्वर जिनके उच्चारण में मुख विवर सबसे कम खुलता है -

जैसे :- इ, ई, उ, ऊ, ऋ

<ii> अर्द्ध संवृत स्वर :- जैसे = ए, ओ

<iii> अर्द्ध विवृत स्वर :-

जैसे = अ, ऐ, औ

<iv> विवृत स्वर :- वह स्वर जिसके उच्चारण में मुख विवर सबसे अधिक खुलता है -

जैसे :- 'आ'

इ
ए
अ
आ

Q. निम्न में से किस विकल्प में अग्र व संवृत स्वर है -

(i) इ, ए — इ: अग्र, संवृत; ए: अग्र, अर्द्ध संवृत

(ii) ऋ, ऐ — ऋ: अग्र, संवृत; ऐ: अग्र, अर्द्ध विवृत

(iii) ई, ए

(iv) इ, ऋ ✓
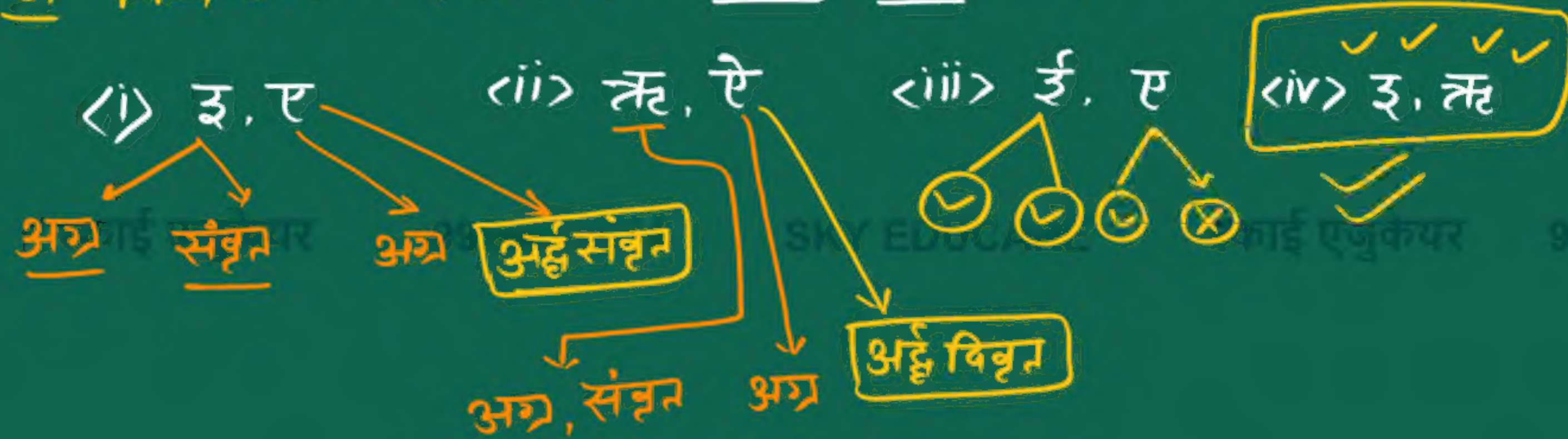
<1> वृत्ताकार / वृत्तमुखी / वृत्तुलित स्वर ⇒ वे स्वर जिनके उच्चारण में ओष्ठों का आकार गोल हो जाता है-

जैसे :- उ, ऊ, ओ, औ

<ii> अवृत्ताकार / अवृत्तमुखी / अवृत्तुलित स्वर ⇒ ओष्ठों का आकार गोल नहीं होता है-

जैसे :- अ, आ, इ, ई, ऋ, ए, ऐ

⑥ जाति के आधार पर :- 02

<i> सजातीय दीर्घ स्वर =>

स + जाति + ईय

आ : अ/आ + अ/आ
ई : इ/ई + इ/ई
ऊ : उ/ऊ + उ/ऊ

<ii> विजातीय दीर्घ स्वर :-

ए : अ/आ + इ/ई
ओ : अ/आ + उ/ऊ
ऐ : अ/आ + ए/ऐ
औ : अ/आ + ओ/औ

ClassRoom Notes

(i) अनुनासिक :- वे स्वर जिनका उच्चारण करते समय प्राण वायु मुख विवर के साथ-साथ नासिका से भी बाहर निकलें।

अनुनासिक बनाने के लिए < अनुस्वार (ं), चन्द्रबिन्दु (ँ) > का प्रयोग

जैसे :- अं आं इं ईं उं ऊं ॠं एं ऐं ओं औं

→ अँ आँ उँ ऊँ

(ऋ ँ — नहीं)

(2) निरनुनासिक / अननुनासिक :- → रहित

निर् + अनुनासिक / अन् + अनुनासिक

सभी स्वर निरनुनासिक / अननुनासिक

- → कण्ठ (कण्ठ्य) ✓
- → दीर्घ / गुरु / संयुक्त ✓
- → पश्च स्वर ✓
- → विवृत स्वर ✓
- → अवृत्ताकार ✓
- → सजातीय ✓
- → निरनुनासिक / अनुनासिक ✓